

SAMPLE CONTENT

हिंदी (LL)

व्याकरण व लेखन



चंद्रभूषण शुक्ल
B.Ed, B.M.M.- Journalism

ज्योति नाविक
M.A., B.Ed.

कक्षा छठी

Target Publications® Pvt. Ltd.

हिंदी (LL)

व्याकरण व लेखन कक्षा छठी

विशेषताएँ

- अद्ययावत पाठ्यपुस्तक पर आधारित
- व्याकरण के घटकों का आवश्यकतानुसार समावेश
- उत्तर लिखने हेतु पर्याप्त जगह
- लेखन के विभिन्न आवश्यक घटकों का समावेश
- स्वयं मूल्यांकन हेतु स्वाध्यय के उत्तरों का समावेश
- शैक्षणिक वर्ष में व्याकरण व लेखन का निर्धारित समय हेतु उपयुक्त

Printed at: **India Printing Works, Mumbai**

© Target Publications Pvt. Ltd.

No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, C.D. ROM/Audio Video Cassettes or electronic, mechanical including photocopying; recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the Publisher.

प्रस्तावना

प्यारे विद्यार्थियो!

शिक्षा के इस नए मोड़ पर आप सभी का हार्दिक स्वागत है। शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत हो चुकी है और साथ ही भाषा संबंधित तैयारियों का भी चिंतन व मनन शुरू हो चुका है। खासकर व्याकरण व लेखन की तैयारी की चिंता हर विद्यार्थी को बहुत अधिक सताती है। ऐसे में विद्यार्थियों के संपूर्ण मार्गदर्शन हेतु **टारगेट पब्लिकेशंस** द्वारा **हिंदी (LL) व्याकरण व लेखन कक्षा** पुस्तिका का निर्माण किया गया है। यह पुस्तिका कक्षा छठी की पाठ्यपुस्तक पर आधारित है। इस पुस्तिका की सहायता से विद्यार्थी व्याकरण व लेखन से संबंधित सभी आवश्यक घटकों की पूर्ण जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।

भाषा को गहराई से समझने के लिए व्याकरण का ज्ञान होना बहुत ही अनिवार्य है। इसके अलावा यदि भाषा की रचनात्मक लेखन शैलियों का ज्ञान न हो तो भाषा की सुंदरता का रसास्वादन कर पाना मुश्किल है। ऐसे में व्याकरण व लेखन दोनों की भाषा के दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण घटक हैं। इस पुस्तिका में इन दोनों घटकों को संयुक्त रूप से प्रस्तुत कर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने का प्रयास किया गया है। इसके अलावा अध्ययन में विद्यार्थियों की रुचि बनाए रखने हेतु आवश्यकतानुसार विभिन्न चित्रात्मक प्रस्तुतीकरण भी किया गया है। इसके सतत अभ्यास से विद्यार्थी निश्चय ही मनचाही सफलता प्राप्त कर सकेंगे हैं। यह पाठ्यपुस्तक में वर्णित व्याकरण के सभी घटकों की विस्तारित विवेचना करने के साथ ही उन पर आधारित संपूर्ण अभ्यास दिए गए हैं। अभ्यासों के उत्तर लिखने हेतु यहाँ पर्याप्त जगह देने के साथ ही उनके उत्तर भी उपलब्ध कराए गए हैं। इस पुस्तिका को स्वतः अभ्यास करने की प्रेरणा मिलेगी।

शैक्षणिक वर्ष में हिंदी व्याकरण व लेखन की पूरी तैयारी करने हेतु निर्माण की गई यह पुस्तिका आप सभी के हाथों में सौंपते हुए हमें बहुत ही खुशी हो रही है। हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि यह पुस्तिका विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी व ज्ञानवर्धक सिद्ध होगी। इसके साथ ही यह पुस्तिका उनका सही दिशा में मार्गदर्शन भी करेगा।

पुस्तिका की उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए सभी अमूल्य सुझाव अंगीकृत हैं। हमारा ई-मेल पता **mail@targetpublications.org** है।

उज्ज्वल भविष्य हेतु ढेरों शुभकामनाएँ!

प्रकाशक

संस्करण: प्रथम

Disclaimer

This reference book is transformative work based on 'हिंदी सुलभभारती; प्रथमावृत्ति: २०१६, चौथा पुनर्मुद्रण: २०२०' published by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. We the publishers are making this reference book which constitutes as fair use of textual contents which are transformed by adding and elaborating, with a view to simplify the same to enable the students to understand, memorize and reproduce the same in examinations.

This work is purely inspired upon the course work as prescribed by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. Every care has been taken in the publication of this reference book by the Authors while creating the contents. The Authors and the Publishers shall not be responsible for any loss or damages caused to any person on account of errors or omissions which might have crept in or disagreement of any third party on the point of view expressed in the reference book.

© reserved with the Publisher for all the contents created by our Authors.

No copyright is claimed in the textual contents which are presented as part of fair dealing with a view to provide best supplementary study material for the benefit of students.

अनुक्रमणिका

क्र.	पाठ का नाम	पृष्ठ
व्याकरण-विभाग		
१.	वर्णमाला	१
२.	बारहखड़ी	५
३.	लिपि, लिप्यंतरण व अनुवाद	७
४.	संज्ञा	८
५.	सर्वनाम	११
६.	विशेषण	१३
७.	क्रिया	१८
८.	काल	२१
९.	विरामचिह्न	२३
१०.	कारक	२६
११.	मुहावरे	२९
१२.	कहावतें	३१
१३.	वाक्य के भेद	३४
१४.	शुद्धाक्षरी लेखन	३७
१५.	पुनरावर्तन १	४०
१६.	समानार्थी शब्द	४२
१७.	विरुद्धार्थी शब्द	४५
१८.	लिंग	४८
१९.	वचन	५२
२०.	उपसर्ग	५६
२१.	प्रत्यय	५८
२२.	समरूप भिन्नार्थक शब्द	६०
२३.	हिंदी-मराठी समो वारित भिन्नार्थक शब्द	६३
२४.	शब्दयुग्म	६५
२५.	उपयोगी ज. कारी	६७
२६.	पुनरावर्तन २	७१
२७.	उत्तर	७३
लेखन-विभाग		
१.	संज्ञा-लेखन	८०
२.	संवाद-लेखन	८७
३.	कहानी-लेखन	८९
४.	विज्ञापन-लेखन	९७
५.	निबंध-लेखन	१००

Sample Content

व्याकरण-विभाग

१ वर्णमाला

किसी भी भाषा को सीखने से पहले उसके व्याकरण की जानकारी होनी आवश्यक है। हिंदी व्याकरण की शुरुआत वर्णमाला से होती है। इसकी लिपि देवनागरी है।

हिंदी वर्णमाला

	अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	} स्व		
	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ				
	अं	अः	} अयोगवाह						
	अँ	आँ							
क वर्ग	-	क	ख	ग	घ	ङ	} व्यंजन		
च वर्ग	-	च	छ	ज	झ	ञ			
ट वर्ग	-	ट	ठ	ड	ढ	ण		ङ	ड़
त वर्ग	-	त	थ	द	ध	न			
प वर्ग	-	प	फ	ब	भ	म			
	-	य	र	ल	व				
	-	श	ष	स	ह	ळ			
	-	ष	त्र	ज्ञ	श्र				
								} संयुक्त व्यंजन	

सूचना: इन व्यंजनों में उच्चारण की सरलता के लिए 'अ' स्वर मिला दिया गया है। जब व्यंजन में कोई स्वर नहीं जुड़ा होता तब उसके नीचे एक रेखा खींची जाती है, जिसे 'हल' या 'हलंत' कहते हैं।

उदाहरण: क, ख, ग, घ, ङ, च, छ, ज, झ, ञ, ट, ठ, ड, ढ, ण, ङ, ड, ङ, त, थ, द, ध, न, प, फ, ब, भ, म, य, र, ल, व, श, ष, स, ह, ष, ष, त्र, ज्ञ, श्र

ध्वनि

हिंदी वर्णमाला की सबसे छोटी इकाई को **ध्वनि** या **वर्ण** कहते हैं।

वर्णमाला

वर्णों के समूह को **वर्णमाला** कहते हैं।

स्वर

जिन वर्णों को स्वतंत्र रूप से बोला जाता है, उन्हें **स्वर** कहते हैं।

उदाहरण: अ, आ, इ आदि

व्यंजन

जिन वर्णों को स्वरों की सहायता से बोला जाता है, उन्हें **व्यंजन** कहते हैं।

उदाहरण: क + अ = क, प + अ = प आदि।



उच्चारण स्थान की तालिका

क्र.	स्थान	स्वर/अयोगवाह	व्यंजन
१	कंठ – जिनका उच्चारण कंठ से होता है।	अ, आ, अः	क, ख, ग, घ, ङ, ह
२	तालु – जिनका उच्चारण तालु से होता है। तालु अर्थात जीभ के ठीक ऊपर वाला गहरा भाग।	इ, ई	च, छ, ज, झ, ञ, य, र, ल
३	मूर्धा – जिनका उच्चारण मूर्धा से होता है। मूर्धा अर्थात तालु के ऊपरी भाग से लेकर ऊपर के दाँतों तक का भाग।	ऋ	ट, ठ, ड, ढ, ण, ष, ङ, ढ
४	दंत – जिनका उच्चारण ऊपर के दाँतों पर जीभ लगाने से होता है।	–	त, थ, द, ध, न, ल, स
५	ओष्ठ – जिनका उच्चारण ओठों से होता है।	उ, ऊ	प, फ, ब, भ
६	नासिका – जिनका उच्चारण नासिका (नाक) से होता है।	अं, अँ	ङ, ण, न, म
७	कंठतालु – जिनका उच्चारण कंठ और तालु से होता है।	ए, ऐ	–
८	कंठोष्ठ्य – जिनका उच्चारण कंठ और ओठों से होता है।	ओ, औ	–
९	दंतोष्ठ्य – जिनका उच्चारण दाँतों और ओठों से होता है।	–	व

सूचना: हिंदी भाषा के विकास व आवश्यकताओं के चलते हिंदी वर्णमाला में अँ और औ स्वर सहित इ, ङ व ल व्यंजन जुड़ गए हैं।

संयुक्ताक्षर

बिना स्वर का व्यंजन जब किसी व्यंजन या अक्षर से जुड़ता है, तो **संयुक्ताक्षर** का निर्माण होता है।

उदाहरण: क् + क = क्क, ख् + ख = ख्ख, त् + त = त्त, द् + ठ = द्ठ

नीचे दिए गए संयुक्ताक्षरों के उदाहरण ध्यानपूर्वक पढ़िए व समझिए:

क्र.	संयुक्ताक्षर	शब्द
१	क्क	टक्कर, ढक्कन
२	क्ख	मक्खन, मक्खी
३	क्ख्त	तख्त, सख्त
४	क्ख्य	विख्यात, ख्याति
५	ग्ग	अग्नि, भग्न
६	ग्ग्य	आरोग्य, सौभाग्य
७	क्च	सच्चा, कच्चा

क्र.	संयुक्ताक्षर	शब्द
८	क्छ	मगरमच्छ, मच्छर
९	क्ज	ज्वार, ज्वलन
१०	ट्ट	पट्टी, खट्टी
११	ड्ड	हड्डी, गुड्डा
१२	ड्ड	बुड्ढा, गड्डा
१३	त्त	छत्ता, पत्ता
१४	त्तम	खत्म, आत्मा



क्र.	संयुक्ताक्षर	शब्द
१५	ट्ठ	गट्ठर, भट्ठी
१६	द्द	गद्दा, भद्दा
१७	द्य	वैद्य, विद्यालय
१८	ध्य	बाध्य, ध्यान
१९	त्थ	कत्था, पत्थर
२०	न्न	अन्न, पन्ना
२१	न्न्य	वन्य, न्याय

क्र.	संयुक्ताक्षर	शब्द
२२	प्प	चप्पल, थप्पड़
२३	प्त्त	दफ्तर, मुफ्त
२४	ब्ब	गुब्बारा, डिब्बा
२५	द्व	द्वार, द्वाप
२६	म्म	चम्मच, म्यान
२७	ल्ल	बिल्ली, दिल्ली
२८	श्च	अश्व, श्वास

वर्ण-विच्छेद

किसी शब्द के सभी वर्णों को अलग-अलग करके लिखने की प्रक्रिया को वर्ण विच्छेद कहते हैं।

उदाहरण: गमला = ग् + अ + म् + अ + ल् + आ
तरबूज = त् + अ + र् + उ + ब् + ऊ + ज् + अ
लड़की = ल् + अ + ड् + अ + क् + ई

स्वाध्याय

१ कोष्ठक में दिए गए व्यंजनों को उनके वर्णों के अनुसार उचित स्थान पर लिखिए:

फ, क, त, ग, ज, म, न, ष, ठ, छ, ड, ब, घ, छ,
च, ट, ड, थ, प, ण, द, न

क वर्ग: _____

च वर्ग: _____

ट वर्ग: _____

त वर्ग: _____

प वर्ग: _____

२ निम्नलिखित वर्णों में से स्वर और व्यंजन अलग करके लिखिए:

आ, ख, य, औ, ई, र, ऊ, व, ए, ञ, इ, ह

उत्तर: स्वर: _____

व्यंजन: _____



३ निम्नलिखित शब्दों में से संयुक्ताक्षर खोजकर लिखिए:

क. मक्खन	-----	ख. सत्य	-----	ग. चप्पल	-----
घ. वक्त	-----	च. खत्म	-----	छ. ज्वलन	-----
ज. गट्ठर	-----	झ. क्त	-----	ट. चम्मच	-----
ठ. अश्व	-----	ड. भस्म	-----	ढ. चश्मा	-----

४ निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए:

क. टमाटर	=	-----
ख. सूरत	=	-----
ग. गुलाब	=	-----
घ. आधार	=	-----
च. समय	=	-----
छ. बदबू	=	-----
ज. हिरन	=	-----
झ. गोबर	=	-----
ट. सरौता	=	-----
ठ. वजीर	=	-----

क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
ङ	ङा	ङि	ङी	ङु	ङू	ङे	ङै	ङो	ङौ	ङं	ङः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ	झं	झः
ञ	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ	टं	टः
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठं	ठः
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	डं	डः
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढं	ढः
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णे	णै	णो	णौ	णं	णः
ड़	ड़ा	ड़ि	ड़ी	ड़ु	ड़ू	ड़े	ड़ै	ड़ो	ड़ौ	ड़ं	ड़ः
ढ़	ढ़ा	ढ़ि	ढ़ी	ढ़ु	ढ़ू	ढ़े	ढ़ै	ढ़ो	ढ़ौ	ढ़ं	ढ़ः
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	तं	तः
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थं	थः
द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	दं	दः
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धे	धै	धो	धौ	धं	धः
न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ	नं	नः
प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ	पं	पः
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फे	फै	फो	फौ	फं	फः
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बौ	बं	बः



भ	भा	भि	भी	भु	भू	भे	भै	भो	भौ	भं	भः
म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मौ	मं	मः
य	या	यि	यी	यु	यू	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
र	रा	रि	री	रु	रू	रे	रै	रो	रौ	रं	रः
ल	ला	लि	ली	लु	लू	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ	शं	शः
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षे	षै	षो	षौ	षं	षः
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ	सं	सः
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हे	है	हो	हौ	हं	हः
ळ	ळा	ळि	ळी	ळु	ळू	ळे	ळै	ळो	ळौ	ळं	ळः
क्ष	क्षा	क्षि	क्षी	क्षु	क्षू	क्षे	क्षै	क्षो	क्षौ	क्षं	क्षः
त्र	त्रा	त्रि	त्री	त्रु	त्रू	त्रे	त्रै	त्रो	त्रौ	त्रं	त्रः
ज्ञ	ज्ञा	ज्ञि	ज्ञी	ज्ञु	ज्ञू	ज्ञे	ज्ञै	ज्ञो	ज्ञौ	ज्ञं	ज्ञः
श्र	श्रा	श्रि	श्री	श्रु	श्रू	श्रे	श्रै	श्रो	श्रौ	श्रं	श्रः

१. लिपि

किसी भी भाषा को लिखित रूप में प्रस्तुत करने के लिए जिन चिह्नों का उपयोग किया जाता है, उसे उस भाषा की लिपि कहते हैं।

उदाहरण: क, च, ट, त, म, प आदि।

२. लिप्यंतरण

किसी एक भाषा के शब्द की सिर्फ लिपि को बदलना लिप्यंतरण कहलाता है।

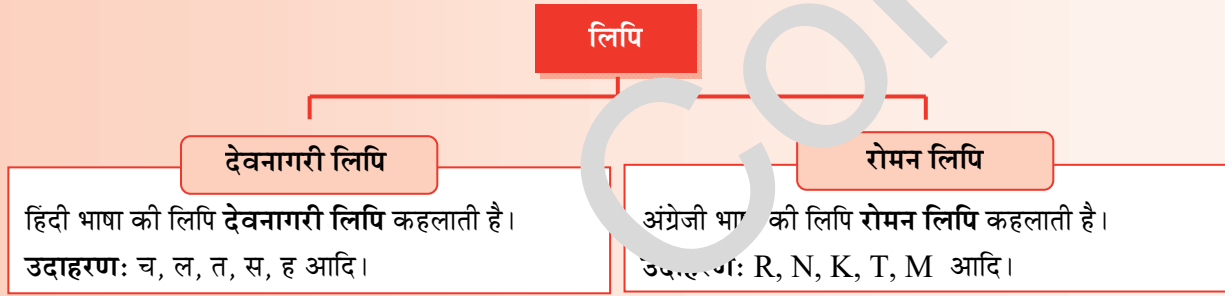
उदाहरण: कागज – Kagaz साबुन – Sabun कोयल – Koyal पायल – Poyal

३. अनुवाद

किसी एक भाषा के शब्द को अन्य भाषा में पूरी तरह से बदलना अनुवाद कहलाता है।

उदाहरण: चूहा – Rat केला – Banana कलम – Pen बोतल – Bottle

यहाँ हम दो लिपियों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे, जो निम्नलिखित हैं:



स्वध्याय

१. निम्नलिखित शब्दों का रोमन में लिप्यंतरण कीजिए:

क. धनुष –	ख. महल –	ग. कुर्सी –
घ. बारिश –	च. कटहल –	छ. खिड़की –
ज. लोणी –	झ. नेवला –	ट. अनाज –
ठ. मरती –	ड. चप्पल –	ढ. बंदर –

२. निम्नलिखित शब्दों का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए:

क. पत्ता –	ख. लड़की –	ग. आग –
घ. कपड़ा –	च. चावल –	छ. जूता –
ज. समय –	झ. तलवार –	ट. नमक –
ठ. कबूतर –	ड. कमल –	ढ. गुलाब –

४ संज्ञा

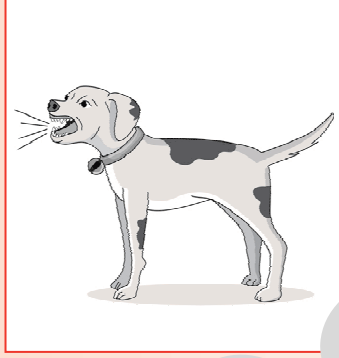
किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान, द्रव्य तथा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण:

क. राजू गाना गा रहा है।



ख. कुत्ता भौंक रहा है।



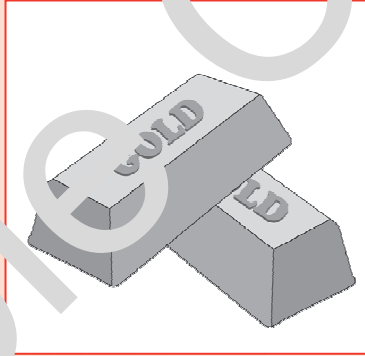
ग. मैं बाजार जाऊँगी।



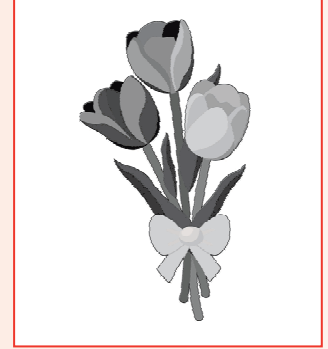
घ. मेरी कलम खो गई।



च. सोना मँहग है।



छ. फूलों का गुच्छा रखा हुआ है।



ऊपर दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्द संज्ञाएँ हैं।

क. राजू एक व्यक्ति है।

ख. कुत्ता एक प्राणी है।

ग. बाजार एक स्थान है।

घ. कलम एक वस्तु है।

च. सोना एक द्रव्य है।

छ. गुच्छा समूह को दर्शाता है।

संज्ञा के पाँच भेद हैं:

संज्ञा

व्यक्तिवाचक
संज्ञा

जातिवाचक
संज्ञा

भाववाचक
संज्ञा

द्रव्यवाचक
संज्ञा

समूहवाचक
संज्ञा

**व्यक्तिवाचक
संज्ञा**

किसी विशेष वस्तु या स्थान के नाम को **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहते हैं।

उदाहरण: क. अपनी माँ की बात सुनकर ऋत्विक उदास हो गया।
ख. प्रीति बहुत खुश हुई।

ऊपर दिए गए वाक्यों में 'ऋत्विक' और 'प्रीति' व्यक्तियों के नाम हैं। अतः ये **व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ** हैं।

**जातिवाचक
संज्ञा**

जिस संज्ञा शब्द से किसी व्यक्ति, प्राणी, वस्तु अथवा स्थान की पूरी जाति का पता चले, उसे **जातिवाचक संज्ञा** कहते हैं।

उदाहरण: क. घर में कोई बड़ा नहीं है। ख. पोटली कई गना बड़ी गे गरी।

ऊपर दिए गए वाक्यों में 'घर' और 'पोटली' शब्दों से उनकी पूरी जाति का पता चलता है। अतः ये **जातिवाचक संज्ञाएँ** हैं।

**भाववाचक
संज्ञा**

जिस संज्ञा शब्द का प्रयोग मन के भाव को व्यक्त करने के लिए किया जाता है, उसे **भाववाचक संज्ञा** कहते हैं।

उदाहरण: क. सभी बच्चे खुशी से चिल्ला उठे। ख. गर्व बच्चे लड़ाई पर उतारू थे।

ऊपर दिए गए वाक्यों में 'खुशी' और 'लड़ाई' मन के भाव हैं। अतः ये **भाववाचक संज्ञाएँ** हैं।

**द्रव्यवाचक
संज्ञा**

जिस संज्ञा शब्द से किसी द्रव्य, धातु, तेल, तरल आदि पदार्थों के बारे में पता चले, उसे **द्रव्यवाचक संज्ञा** कहते हैं।

उदाहरण: क. पानी तब जरा खाली पड़ा था।
ख. खु युद्ध में लोहा के ही अस्त्र-शस्त्र काम आते हैं।

ऊपर दिए गए वाक्यों में 'पानी' तरल पदार्थ है और 'लोहा' धातु है। अतः ये **द्रव्यवाचक संज्ञाएँ** हैं।

**समूहवाचक
संज्ञा**

जिस संज्ञा शब्द से पूरे समूह या समुदाय के बारे में पता चले, उसे **समूहवाचक संज्ञा** कहते हैं।

उदाहरण: क. दर्शक भरपूर मजा लेने लगे। ख. सड़क के किनारे भीड़ जमा थी।

ऊपर दिए गए वाक्यों में 'दर्शक' और 'भीड़' शब्दों से समूह का पता चल रहा है। अतः ये **समूहवाचक संज्ञाएँ** हैं।

स्वाध्याय

१ निम्नलिखित संज्ञा शब्दों के भेद लिखिए:

क. तेल

-

ख. बालक

-

ग. रवींद्रनाथ टैगोर

-

घ. गुस्सा

-

च. पंख

-

छ. सभा

-



- ज. मित्रता - _____ झ. सूरज - _____
 ट. झुंड - _____ ठ. बबलू - _____

२ उचित जोड़ियाँ मिलाइए:

क्र.	अ	उत्तर	ब
क.	नदी	_____	व्यक्तिवाचक संज्ञा
ख.	सुंदरता	_____	संज्ञावाचक संज्ञा
ग.	चाँद	_____	जातिवाचक संज्ञा
घ.	गुच्छा	_____	द्रव्यवाचक संज्ञा
च.	ताँबा	_____	भाववाचक संज्ञा

३ निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्द खोजकर भेद सहित लिखिए:

- क. कठपुतली नाच रही थी। _____
 ख. उसमें से सुंदर-सुंदर पुस्तकें बाहर निकाल आइ। _____
 ग. उसकी नींद टूटी। _____
 घ. बबलू कुत्तों में बोला। _____
 च. पता नहीं चल्लन क्या पीस रहा है? _____
 छ. उसका बाल्ला छीक रहा है। _____
 ज. प्रान्त चली गई। _____
 झ. सब कुछ लोहे से बनता है। _____
 ट. एक झुंड बनाया गया। _____
 ठ. मुझे घबराहट हो रही है। _____



AVAILABLE BOOKS FOR STD. VI:

NOTES

ENG. MED.

- English Balbharati
- मराठी सुलभभारती
- हिंदी सुलभभारती
- History-Civics & Geography
- General Science
- Mathematics

MAR. MED.

- My English Book
- मराठी बालभारती
- हिंदी सुलभभारती
- इतिहास, नागरिकशास्त्र व भूगोल
- सामान्य विज्ञान
- गणित

WORKBOOK

ENG. MED.

- English Balbharati
- मराठी सुलभभारती
- हिंदी सुलभभारती
- History-Civics
- Geography
- General Science
- Mathematics

MAR. MED.

- My English Book
- मराठी बालभारती
- हिंदी सुलभभारती
- इतिहास व नागरिकशास्त्र
- भूगोल
- सामान्य विज्ञान
- गणित



Scan the QR code to buy e-book version of Target's Notes on Quill - The Padhai App



OUR PRODUCT RANGE

- Children Books
- School Section
- Junior College
- Degree College
- Entrance Exams
- Stationery

AVAILABLE BOOKS FOR STD. VII:

NOTES

ENG. MED.

- English Balbharati
- मराठी सुलभभारती
- हिंदी सुलभभारती
- History-Civics
- Geography
- General Science
- Mathematics

MAR. MED.

- My English Book
- मराठी बालभारती
- हिंदी सुलभभारती
- इतिहास व नागरिकशास्त्र
- भूगोल
- सामान्य विज्ञान
- गणित

WORKBOOK

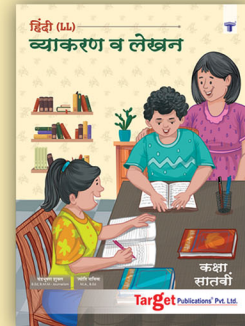
ENG. MED.

- English Balbharati
- मराठी सुलभभारती
- हिंदी सुलभभारती
- History-Civics
- Geography
- General Science
- Mathematics

MAR. MED.

- My English Book
- मराठी बालभारती
- हिंदी सुलभभारती
- इतिहास व नागरिकशास्त्र
- भूगोल
- सामान्य विज्ञान
- गणित

ADDITIONAL BOOK



Target Publications® Pvt. Ltd.

Address:

2nd floor, Aroto Industrial Premises CHS,
Above Surya Eye Hospital, 63-A, P. K. Road,
Mulund (W), Mumbai 400 080

Tel: 88799 39712 / 13 / 14 / 15

Website: www.targetpublications.org

Email: mail@targetpublications.org



Explore our range of **STATIONERY**



Buy Now